

---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

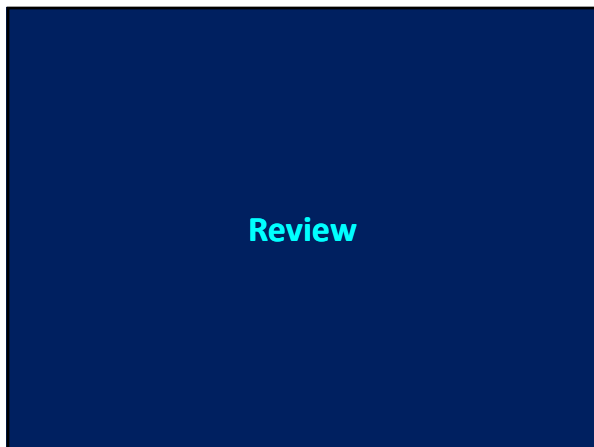
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

### Answering Eight Questions

- 1) Who wrote it? – Paul
- 2) Who was it written to? – Roman Believers
- 3) Where was it written from? – Corinth
- 4) When was it written? – A.D. 57
- 5) Why was it written? – Doctrinal Foundation
- 6) What is inside? – 7 Part Outline
- 7) What is it about? – Righteousness
- 8) What makes the book different? – Theological formality



---

---

---

---

---

---

---

---

### Structure

- I. Salutation (1:1-17)
- II. Sin (1:18–3:20)
- III. Salvation (3:21–5:21)
- IV. Sanctification (6–8)
- V. Sovereignty (9–11)
- VI. Service (12:1–15:13)
- VII. Summation (15:14–16:27)



---

---

---

---

---

---

---

---

Romans 8:29–30  
29 For those whom He foreknew, He also **predestined** to become conformed to the image of His Son, so that He would be the firstborn among many brethren; 30 and these whom He predestined, He also called; and these whom He **called**, He also justified; and these whom He **justified**, He also glorified.

Where's **sanctification**?

---

---

---

---

---

---

---

---

# ROMANS 9-11

## THEME

*How can God be trusted to be faithful to us if He has been unfaithful to Israel?*

---

---

---

---

---

---

---

---

### Sovereignty (Rom 9 –11)

- Israel in the past: Elected (Rom 9:1-29)
- **Israel in the present: Rejected (Rom 9:30–10:21)**
- Israel in the future: Accepted (Rom 11)



---

---

---

---

---

---

---

---

### Romans 9:30–10:21

- I. Israel pursued righteousness by Law rather than by faith (9:30–10:4)
- II. Israel ignored the teaching that righteousness is by faith rather than works (10:5-13)
- III. Israel refused many opportunities to accept God's righteousness by faith (10:14-21)



---

---

---

---

---

---

---

---



**Israel's Three-fold  
Rejection of God's Offer!**

**Rejection One: 9:30 – 10:4**

**RIGHTEOUSNESS BY FAITH.**

**REJECTED**

---

---

---

---

---

---

---

---

**I. Romans 9:30–10:4**



- A. Israel's refusal of righteousness by faith (9:30-33)
- B. Paul's concern over Israel's spiritual condition (10:1)
- C. Israel's ignorance of righteousness by faith (10:2-4)

---

---

---

---

---

---

---

---



**Israel's Three-fold  
Rejection of God's Offer!**

**Rejection Two: 10:5-13**

**RIGHTEOUSNESS BY FAITH  
ALONE RATHER THAN BY  
WORKS.**

**REJECTED**

---

---

---

---

---

---

---

---

## II. Romans 10:5–13



- A. Righteousness available through faith (10:5-10)
  - 1. Not by Law (10:5)
  - 2. Not hard to find (10:6-8)
  - 3. Is available through faith (10:9-10)

---

---

---

---

---

---

---

---

## II. Romans 10:5–13



- B. Righteousness universally available (10:11-13)
  - 1. Available to all (10:11, 13)
  - 2. For both Jew and Greek (10:12)

---

---

---

---

---

---

---

---



### *Israel's Three-fold Rejection of God's Offer!*

#### *Rejection Three: 10:14-21*

**OPPORTUNITIES TO ACCEPT THE MESSAGE OF GOD'S RIGHTEOUSNESS BY FAITH.**

**REJECTED**

---

---

---

---

---

---

---

---

### III. Romans 10:14-21

- A. Five elements of evangelism (10:14-15)
- B. Israel refused to believe despite effective preaching (10:16-17)
- C. Israel's excuses for unbelief answered (10:18-21)



---

---

---

---

---

---

---

---

### C. Israel's Excuses for Unbelief Answered (10:18-21)

- 1. Excuse #1 (10:18)
  - a) **Excuse:** Israel did not hear
  - b) **Answer:** Message went everywhere
- 2. Excuse #2 (10:19-20)
  - a) **Excuse:** Israel did not understand
  - b) **Answer:** Gentiles believed
- 3. Conclusion (10:21)



---

---

---

---

---

---

---

---

Conclusion

---

---

---

---

---

---

---

---

### **Romans 9:30–10:21**

- I. Israel pursued righteousness by Law rather than by faith (9:30–10:4)**
- II. Israel ignored the teaching that righteousness is by faith rather than works (10:5-13)**
- III. Israel refused many opportunities to accept God's righteousness by faith (10:14-21)**



---

---

---

---

---

---

---

---